संभवतः सर्वप्रथम जनसंख्या और संपदा की जनगणना
शायद सर्वप्रथम जनसंख्या और संपदा के निर्माण
... के राजाओं द्वारा प्रसिद्ध पिरामिड के निर्माण ... जनगणना
संबंध में करवाया गया। इस तरह की जनगणना
... बाद के मध्यकाल में इंग्लैंड, जर्मनी और
... पश्चिम देशों द्वारा भी करवाया गया। भारतवर्ष
में २००० वर्ष पहले भी सरकारी और प्रशासनिक
जनगणना इकट्ठी करने की प्रभावशाली विधि
अपनायी जाती थी - खासकर चन्द्रगुप्त मौर्य (३२४-३०० B.C.)
के काल में। जीवन और मृत्यु संबंधी समंक
और जन्म एवं मृत्यु के रजिस्ट्रेशन को
सिलसिलेवार इकट्ठा करने की बहुत अच्छी व्यवस्था,
का ऐतिहासिक साक्ष्य कौटिल्य के अर्थशास्त्र
में मिलती है। भूमि, कृषि और सम्पत्ति सम्बन्धित
समंकों का अभिलेख टोडरमल द्वारा सम्भाले
जाते थे, जो अकबर (1556-1605) के राज्य में
भूमि और राजस्व मंत्री थे। अकबर के शासनकाल
में प्रशासनिक और सांख्यिकीय सर्वेक्षण का
विस्तृत विवरण अबुल फजल (1596-97), अकबर
के नवरत्नों में एक की लिखित पुस्तक 'आइने अकबरी'
में मिलता है।

जर्मनी में अठारहवीं शताब्दी के अन्त में
राजकीय सांख्यिकी का क्रमबद्ध संग्रह शुरू हुआ
ताकि विभिन्न जरमन राज्यों की परस्पर ताकत,
उनकी जनसंख्या की सूचना और उनकी
औद्योगिक एवं कृषि सम्बन्धी उत्पादकता का
सही अनुमान लगाया जा सके। इंग्लैंड में
सांख्यिकीय गणना नेपोलियन के युद्धों के
फलस्वरूप शुरू हुआ। इन युद्धों के परिणाम
... का क्रमबद्ध संग्रह की आवश्यकता

शायद सर्वप्रथम जनसंख्या और संपदा की जनगणना मिस्र के राजाओं द्वारा प्रसिद्ध पिरामिड के निर्माण के संबंध में करवाया गया। इस तरह की जनगणना फिर बाद के मध्यकाल में इंग्लैंड, जर्मनी और दूसरे पश्चिम देशों द्वारा भी करवाया गया। भारतवर्ष में, 2000 वर्ष पहले भी सरकारी और प्रशासनिक संगणना इकट्ठी करने की प्रभावशाली विधि अपनायी जाती थी - खासकर चन्द्रगुप्त मौर्य (324-300 BC) के काल में। जीवन और मृत्यु संबंधी समंक और जन्म एवं मृत्यु के रजिस्ट्रेशन को सिलसिलेवार इकट्ठा करने की बहुत अच्छी व्यवस्था का ऐतिहासिक साक्ष्य कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलती है। भूमि, कृषि और सम्पत्ति सम्बन्धित समंकों का अभिलेख टोडरमल द्वारा सम्भाले जाते थे जो अकबर (1556-1605) के राज्य में भूमि और राजस्व मंत्री थे। अकबर के शासनकाल में प्रशासनिक और सांख्यिकीय सर्वेक्षण का विस्तृत विवरण अबुल फजल (1596-97), अकबर के नवरत्नों में एक की लिखित पुस्तक 'आइने अकबरी' में मिलता है।

जर्मनी में अठारहवीं शताब्दी के अन्त में राजकीय सांख्यिकी का क्रमबद्ध संग्रह शुरु हुआ ताकि विभिन्न जरमन राज्यों की परस्पर ताकत, उनकी जनसंख्या की सूचना और उनकी औद्योगिक एवं कृषि सम्बन्धी उपादकता का सही अनुमान लगाया जा सके। इंग्लैंड में सांख्यिकीय गणना नेपोलियन के युद्धों के फलस्वरूप शुरु हुआ। इन युद्धों ने गणितीय समंकों का क्रमबद्ध संग्रह की आवश्यकता

गणित ही समझा जाता था। सांख्यिकी
गणित की अवधारणा यहाँ तक कि 18वीं
के शुरुआत तक रही जबतक जे०पी० सुस्मिल्च
(1707-1767), प्रुशिया के पादरी ने अपना सिद्धान्त
नहीं प्रतिपादित किया कि जन्म और मृत्यु का
अनुपात कमोबेश स्थिर (अचर) रहता है और उन्होंने
प्रकृति तंत्रवादी समूह की प्राकृतिक व्यवस्था (Natural
order of Physiocratic School) सिद्धांत की
सांख्यिकीय व्याख्या दी।

Scanned with CamScanner

अध्याय - 1

[illegible] - अर्थ और उद्देश्य

आकलन अधिक शुद्धता पूर्वक कर सके ताकि नये टैक्स लगाये जा सकें जिससे युद्ध के खर्चों को वहन किया जा सके।

सोलहवीं शताब्दी में खगोलीय पिण्डों - तारे और ग्रहों - की गति से सम्बन्धित समंकों के संग्रह में सांख्यिकी के प्रयोग की शुरुआत हुई, ताकि ग्रहणों (eclipses) की भविष्यवाणी के लिए उनकी स्थिति जानी जा सके। जे० केप्लर ने टायको ब्रेव (1555-1601) के द्वारा ग्रहों की गति के सम्बंध में संग्रहित सूचनाओं के वृहद अध्ययन के बाद प्रसिद्ध तीन नियमों का प्रतिपादन किया जो कि खगोलीय पिण्डों की गति से सम्बन्धित है। इन नियमों ने ही न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त के प्रतिपादन के लिए रास्ता दिया।

सत्रहवीं शताब्दी में जन्म-मृत्यु संबंधित सांख्यिकी (Vital Statistics) की उत्पत्ति हुई। लंदन के कैप्टन जॉन ग्रॉट जिन्हें Vital Statistics का पिता कहा जाता है, पहले व्यक्ति थे जिन्होंने जन्म और मृत्यु समंक का सिलसिलेवार अध्ययन किया। इस क्षेत्र में कास्पर न्यूमैन (1691 में), सर विलियम्स पेट्टी (1623-1687) जेम्स डॉडसन, थॉमस सिम्पसन और डॉ० प्राइस जैसे विख्यात व्यक्तियों ने अपना योगदान किया। इन व्यक्तियों द्वारा मर्त्यता (Mortality) तालिका (table) और विभिन्न आयु वर्गों में जीवन की अपेक्षा की संगणना जीवन बीमा ~~की~~ के विचार का आधारशिला बना और लंदन में 1698 में पहला जीवन बीमा संस्था का जन्म हुआ। विलियम पेट्टी ने Essay on Political Arithmetic नामक पुस्तक लिखी। इन दिनों में सांख्यिकी को राजनैतिक